Note : If you would like to view or download the entire book please go through home page of Jain eLibrary Website – www.jainelibrary.org and register your e-mail id (or sign in if previously registered).

Vijay Vallabh Sansmaran Sankalan Smarika

Folder No.	012061
Granth Name	Vijay Vallabh Sansmaran Sankalan Smarika
Editor	Pushpadanta Jain & Others
Publisher	Akhil Bharatiya Vijay Vallabh Swargarohan Arddhashatabdi Mahotsava Samiti – Ludhiana
Edition	1
Year	2004
Pages	268

विजय वल्लभ संस्मरण संकलन स्मारिका

फोल्डर नं.	०१२०६१
ग्रन्थ	विजय वल्लभ संस्मरण संकलन स्मारिका
सम्पादक	पुष्पदन्त जैन और अन्य
प्रकाशक	अखिल भारतीय विजय वल्लभ स्वर्गारोहण अर्द्धशताब्दी महोत्सव महा समिति
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	२००४
पृष्ठ	२६८

मुख्य टाईटल
सम्पादकीय
अनुक्रमणिका
महामंत्र नवकार ---------- १
अनुक्रमणिका ---------- ५-६
परमात्मा एवं पाट परम्परा का छाया चित्र ---------- ७
स्मारिका चरित्र नायक का छाया चित्र ----------८
मंगल संदेश – गच्छाधिपति श्रीमद विजय रत्नाकर सूरि जी ---------- ९-१०
शुभ कामनाएँ – आचार्य महाप्रज्ञ ---------- ११
अध्यक्ष की कलम से – कश्मीरी लाल जैन बरड ---------- १२-१३
आभार - सिकन्द लाल जैन एडवोकेट ---------- १४

महासमिति कार्यकारणी के सदस्य -- १५
श्री वल्लभ गुरुसंक्षिप्त चरित्र स्तुति – मुनि श्री पूण्य विजय जी. म. ------------------------------- १६
वयोवृद्ध मुनिराज की दृष्टि में विजय वल्लभ – प्रवर्त्तक श्री कान्ति विजय जी म. ------------------ १७
तपागच्छ की उत्पत्ति एवं पट्टावलि – साभार – सद्धर्म संरक्षक--------------------------------- १८-२८
मेरी दृष्टि में विजय वल्लभ – गच्छाधिपति श्री रत्नाकर सूरि जी -------------------------------- २९-३०
विश्व चेतना के युग पुरुष – प. पू. कार्यदक्ष आचार्य जगत चन्द्र सूरि जी ---------------------------३१
गुरु भक्ति (कविता) – आचार्य श्रीमद विजय प्रकाश सूरि जी -------------------------------------- ३२
करुणा सागर विजय वल्लभ – मुनि ऋषभ चन्द्र विजय जी --------------------------------- ३३-३४
श्री विजय वल्लभ सूरीश्वरजी साधार्मिक भक्ति – पन्यास प्रवर श्री राज रतन विजय जी ----------- ३५
श्री विजय वल्लभ कर्मठ कार्यकर्ता – साध्वी सुमति श्री जी ----------------------------------- ३६-३८
श्रद्धा पुष्प (कविता) साध्वी निर्मला श्री जी --- ३९-४०
विश्व चेतना के मनस्वी संत – साध्वी रक्षित प्रज्ञा श्री जी ------------------------------------ ४१-४५
उपकारी गुरुदेव – साध्वी अमित गुणा श्री जी --- ५६
वल्लभ तेरे चरणों में (कविता) – साध्वी सौम्य प्रभा श्री जी ------------------------------------- ४७
दीर्घ दृष्टा – साध्वी सुविरति श्री जी. म. --- ४८
क्रान्तिकारी जैनाचार्य – साध्वी पुनित यशा श्री जी -- ४९-५०
गुरु समर्पित जैनाचार्य – साध्वी पियुष पूर्णा श्री जी -- ५१-५२
स्मारिका प्रकाशन के सहायक स्तम्भ -- ५३-६२
विविध मंगलमय कार्यक्रमों का शुभारम्भ --- ६३-६६
श्री आत्म वल्लभ श्रमणोपासक गुरुकुल स्थापना -- ६७-७०
विजय वल्लभ रथ यात्रा एवं स्पैशल यात्रा ट्रेन --- ७१-११८
स्मारिका प्रकाशन के सहायक स्तम्भ -- ११९-१२८
जिन पूजा प्रतिस्पर्धा -- १२९-१३०
चलो जिन मन्दिर चलें -- १३१-१३३
भाषण प्रतियोगिता -- १३४-१३६
निबन्ध प्रतियोगिता -- १३७-१३८
संगीत प्रतियोगिता --- १३९-१४०
प्रकाशन वल्लभ काव्य सुधा --१४१-१४३
सदस्य स्वागत समिति -- १४४-१४६
समापन समारोह --- १४७-१४९
गुरु गुणानुवाद प्रेरक गच्छाधिपति जी का छाया चित्र -- १५०
गुरुदेव विजय वल्लभ सूरि जी का हस्त रचित चित्र – गच्छआधिपति जी द्वारा ------------------ १५१
परम पूज्य गुरुदेव के दुर्लभ चित्र --- १५२-१५९
धर्म – साभार त्रिशष्ठि श्लाधा पुरुष चरित्र --- १६०-१६२
धर्म या धर्म का भ्रम – आशीष जैन जयपुर -- १६३-१६५

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

आत्मा, कर्म और प्रतिक्रमण – पुष्प जैन पाटनी ---१६६-१६७
युगवीर वल्लभ का राष्ट्र समाज उन्नति में योगदान – वी. सी जैन भाभू-------------------- १६८-१६९
समाजाभिमुख संत – डॉ. रजनी कान्त एस. शाह -- १७०-१७३
विश्व वल्लभ – जे. एफ. बाफना --- १७४-१७५
मेरे वल्लभ (कविता) – स्वतन्त्र कुमार --- १७५
लब्धि सम्पन्न विजय वल्लभ – बलदेव राज जैन -- १७६-१७७
श्री वल्लभ निर्वाण कुण्डली गायन – हस्तीमल कोठारी -- १७७
मान पत्र – मेम्बरान म्युनिसिपल कमेटी गुजरांवाला ------------------------------------- १७८-१७९
एक अनोखी विभूति – कमलेश जैन लिगा -- १८०-१८१
आचार्य श्री विजय वल्लभ – बसन्ती लाल लसोड -------------------------------------- १८२-१८५
गुरु वल्लभ का युग हम – अरविंद जैन आम्बालवी ------------------------------------- १८६-१८८
मरु नगरी एवं पंजाब केसरी – देवेन्द्र कुमार कोचर --- १८९-१९०
आचार्य के ३६ गुणों से युक्त गुरु वल्लभ – संकलन पुष्प जैन पाटनी ----------------------- १९१-१९३
प्रतिज्ञाधारी आचार्य – राजेश जैन लिगा -- १९४
गुरु वल्लभ के सपनों का जैन समाज – अमृत जैन दिल्ली ------------------------------ १९५-२०१
युग पुरुष (कविता) – कला कुमार --- २०२
युगवीर वल्लभ – सुधीर जैन मुन्हानी -- २०३-२०४
श्री वल्लभ गुरु गायन (कविता) – हस्ती मल कोठारी --------------------------------------- २०४
गुरु वल्लभ एक आदर्श जीवन – निशा जैन -- २०५-२०६
जग वल्लभ – हस्तीमल कोठारी --- २०७
जन वल्लभ – जवाहर चन्द्र पटनी --- २०८-२०९
काल रेखा चित्र – साभार मान चित्रावली -- २१०
गुरु मन्दिर लुधियाना में भव्य आयोजन – विवरण मुख सम्पादक ------------------------- २११-२१४
गुरुदेव ने कहा था – संकलित विष्णु दत्त शर्मा -- २१५
स्मारिका प्रकाशन के सहायक स्तम्भ --- २१६-२२३
जैन दर्शऩ अभिज्ञानम – शंकर दत्त शास्त्री (हिन्दी अनुवाद – सूरज कांत शर्मा ------------------ २२४
गुरु वल्लभ प्रशस्ति – शंकर दत्त शास्त्री (हिन्दी अनुवाद – सूरज कांत शर्मा -------------------- २२५
Man of A Noble Character – शिखा जैन -- २२६-२२७
An Ideal Character – लविना जैन -- २२८-२२९
साधु की समाचारी – साभार त्रिशष्ठि श्लाधा पुरुष चरित्र ------------------------------------ २३०-२३१
गुरुदेव के अविस्मरणीय संस्मरण – धनराज जैन, दिल्ली --------------------------------- २३२-२३३
संक्रान्ति प्रारम्भिक ईतिहास – रघुवीर कुमार जैन, जालन्धर ------------------------------ २३४-२३५
त्रिदिवसीय समापन समारोह कार्यक्रम – विवरण मुख्य सम्पादक --------------------------- २३६-२४९
रंगोली – गच्छाधिपति श्री जी द्वारा -- २५०-२५१
श्रावक और उसका धर्म – प. पू. कार्यदक्ष आचार्य जगत चन्द्र सूरि जी -------------------- २५२-२५४

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

शुद्धि पत्र --- २५४
प. पू. गुरुदेवों का गुणगान – पुष्प जैन पाटली--- २५५
स्मारिका प्रकाशन के सहायक स्तम्भ --- २५६-२६४

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org